Most Immediate

No. 4(43)/2003 -IC
Government of India
Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises
(IC Section)

Udyog Bhawan, New Delhi – 110011
Dated: 2nd February, 2017

OFFICE MEMORANDUM

Subject: MoU between Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), Republic of India and the Ministry of Economy, United Arab Emirates on cooperation in the field of SMEs and Innovation – MoU signed on 25th January, 2017.

.....

The undersigned is directed to forward herewith a copy of the MoU between Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), Republic of India and the Ministry of Economy, United Arab Emirates on cooperation in the field of SMEs and Innovation, signed on 25th January, 2017 in New Delhi. It is requested that the MoU may please be uploaded on the website of this Ministry under the link International Cooperation.

02/2/17

(Dr. P.G.S. Rao)
Director (IC)
Tel: 23063198, Fax: 23061756

Encl: as above.

Shri Shubhendu Kumar
Technical Director, NIC,
Office of DC, MSME,
Nirman Bhawan, New Delhi.

Memorandum of Understanding

on cooperation

In the field of Small and Medium Enterprises (SMEs) and innovation

Between

The Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MoMSME), Republic of India

And

The Ministry of Economy, United Arab Emirates

Whereas the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises of the Republic of India and the Ministry of Economy of the United Arab Emirates,

Hereinafter referred to as the "Parties",

RECOGNIZE the significant role of MSMEs in the development of the economy, formation of the market environment and creation of employment opportunities,

CONSIDER Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) as a key factor for sustainable development and competitive capacity of the economies of both countries;

ASSERTING the increasing importance of MSMEs in the sphere of bilateral economic and trade relations;

AFFIRMING to broaden the bilateral cooperation in the sphere of

development and support of MSMEs;

Have reached the following understanding:

Article 1

Objectives

(1) To establish strong cooperation in MSMEs and innovation via practical framework for the development of stronger relations between the Parties and to set forth a procedure of cooperation that can enhance the implementation of both Parties' objectives.

(2) The Parties aim to promote cooperation between MSMEs in the fields of bilateral trade and research and development (R&D) through joint projects and activities.

Article 2

Fields of Cooperation

The main fields of cooperation in accordance with the objectives formulated in Article 1 are:

(1) Facilitating SME cooperation in the sphere of trade, joint ventures, innovations and technology transfer.

(2) Analysis of the business environment and ongoing trends in MSMEs development in the United Arab Emirates and the Republic of India.

(3) Exchange of expertise and information in all areas related to support of MSMEs and young entrepreneurs in particular development of business infrastructure, setting of financial and non-financial support measures.

(4) Promoting partnership projects, institution-to-institution and enterprise-to-enterprise cooperation between the Republic of India and the United Arab Emirates.

(5) Encouraging bilateral programs of cooperation aiming at the development of business infrastructure and relevant services, such as incubators, clusters and "business angels".

Article 3

Joint Cooperation Programs and Activities

(1) The Parties shall exchange research results, studies and informational materials as well as participate in joint projects aiming at the promotion of MSMEs development.

(2) The Parties shall promote the organization of joint seminars, meetings and conferences with the participation of representatives of MSMEs and business support institutions from the Republic of India and the United Arab Emirates.

(3) The Parties shall jointly develop and perform bilateral business meetings, communication forums and information events during bilateral and multilateral international events.

Article 4

Financial Obligations

(1) Unless otherwise agreed by the Parties, each Party shall bear costs and expenses incurred by in connection with the implementation of this MOU.

(2) Any program or project requiring financial obligation from either Party shall be subject of a separate agreement.

Article 5

Effective date, amendment, termination and Settlement of disputes

(1) This Memorandum of Understanding shall come into effect upon its signature by the Parties and shall remain in effect until both or either of the Parties request its termination by a letter addressed to the other Party.

(2) The Memorandum of Understanding may be modified by mutual consent of the Parties.

(3) Any dispute arising out of the interpretation, implementation or application of this Memorandum shall be settled amicably through consultation or negotiation between the Parties.

Signed in New Delhi on 25 January 2017 in two original copies, each in English, Hindi and Arabic, all texts being equally authentic. In case of divergence in interpretation the English text shall prevail.

For the Government of the Republic of India

For the Government of the United Arab Emirates

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई मंत्रालय)

भारत गणराज्य

और

अर्थव्यवस्था मंत्रालय, संयुक्त अरब अमीरात

के बीच

लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) एवं नवप्रवर्तन के क्षेत्र में सहयोग पर

समझौता ज्ञापन

जबकि सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय, भारत गणराज्य तथा अर्थव्यवस्था मंत्रालय, संयुक्त अरब अमीरात

जिसे इसमें इसके पश्चात् "पक्षकार" कहा गया है,

अर्थव्यवस्था के विकास, बाजार वातावरण निर्माण एवं रोजगार के अवसरों के सृजन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की अहम भूमिका मानते हैं,

दोनों देशों की अर्थव्यवस्था के सतत विकास एवं प्रतिस्पर्धी क्षमता के लिए मुख्य घटक के रूप में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर विचार करते हैं;

द्विपक्षीय आर्थिक एवं व्यापार संबंधों के क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बढ़ते महत्व को स्वीकार कर रहे हैं;

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास एवं सहायता के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रतिज्ञान कर रहे हैं;

निम्नलिखित समझौते पर पहुँचे हैं:

अनुच्छेद 1
उद्देश्य

(1) पक्षकारों के बीच मजबूत संबंधों के विकास के लिए व्यावहारिक ढाँचे के द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा नवप्रवर्तन में मजबूत सहयोग करना तथा सहयोग की प्रक्रिया घोषित करना जो दोनों पक्षकारों के उद्देश्यों के कार्यान्वयन को बढ़ा सकती है।

(2) पक्षकारों का उद्देश्य संयुक्त परियोजनाओं एवं कार्यकलापों के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार एवं अनुसंधान तथा विकास के क्षेत्रों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

अनुच्छेद 2
सहयोग के क्षेत्र

अनुच्छेद 1 में तैयार उद्देश्यों के अनुसार सहयोग के मुख्य क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

(1) व्यापार, संयुक्त उद्यम, नवप्रवर्तनों एवं प्रौद्योगिकी अंतरण के क्षेत्र में लघु और मध्यम उद्यम सहयोग को सुसाध्य बनाना।

(2) संयुक्त अरब अमीरात एवं भारत गणराज्य में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास में व्यवसाय वातावरण और जारी प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना।

(3) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एवं युवा उद्यमियों की सहायता खासकर व्यवसाय अवसंरचना के विकास, वित्तीय और गैर-वित्तीय सहायता उपायों से संबंधित सभी क्षेत्रों में विशेषज्ञता एवं सूचना का आदान प्रदान करना।

(4) भारत गणराज्य एवं संयुक्त अरब अमीरात के बीच साझेदारी परियोजनाओं, संस्थान दर संस्थान, उद्यम दर उद्यम सहयोग को प्रोत्साहित करना।

(5) व्यवसाय अवसंरचना के विकास तथा इंक्यूबेटरों, क्लस्टरों एवं "व्यवसाय दृष्टिकोण" जैसी संगत सेवाओं के उद्देश्य से सहयोग के द्विपक्षीय कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना।

अनुच्छेद 3
संयुक्त सहयोग कार्यक्रम एवं कार्यकलाप

1- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास के प्रोत्साहन के उद्देश्य से पक्षकार अनुसंधान परिणामों, अध्ययन एवं सूचनाप्रद सामग्रियों का आदान-प्रदान करेंगे एवं संयुक्त परियोजनाओं में भाग लेंगे।

2- पक्षकार भारत गणराज्य एवं संयुक्त अरब अमीरात के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एवं व्यवसाय सहायता संस्थानों के प्रतिनिधियों की भागीदारी से संयुक्त संगोष्ठियों, बैठकों एवं सम्मेलनों के आयोजन को प्रोत्साहित करेंगे।

3- पक्षकार द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के दौरान द्विपक्षीय व्यवसाय बैठकों, संचार मंचों एवं सूचना कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से विकसित एवं निष्पादित करेंगे।

अनुच्छेद 4
वित्तीय बाध्यताएं

(1) जब तक अन्यथा पक्षकारों द्वारा सहमत नहीं होते हैं, तब तक प्रत्येक पक्षकार इस समझौते ज्ञापन के कार्यान्वयन के संबंध में लागतों एवं किए गए व्ययों का वहन नहीं करेंगे।

(2) प्रत्येक पक्षकार से वित्तीय बाध्यता अपेक्षा करने वाला कोई कार्यक्रम या परियोजना पृथक् समझौते का विषय होगी।

अनुच्छेद 5

प्रभावी तारीख, संशोधन, समाप्ति एवं विवादों का समाधान

(1) यह समझौता ज्ञापन पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षर के बाद लागू होगा तथा यह तब तक लागू रहेगा जब तक दोनों या दोनों में से प्रत्येक दूसरे पक्षकार को पत्र द्वारा इसकी समाप्ति का अनुरोध नहीं करता है।

(2) यह समझौता ज्ञापन पक्षकारों की आपसी सहमति द्वारा संशोधित किया जा सकता है।

(3) इस समझौते ज्ञापन की व्याख्या, कार्यान्वयन या प्रयोग से हो रहे किसी विवाद को पक्षकारों के बीच परामर्श या बातचीत के माध्यम से मैत्रीपूर्ण तरीके से निपटाया जाएगा।

अंग्रेजी, हिंदी और अरबी भाषाओं में 25 जनवरी 2017 को दो मूल प्रतियों में, नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए, सभी पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं। व्याख्या में किसी भिन्नता के मामले में, अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

भारत गणराज्य की सरकार की ओर से

संयुक्त अरब अमीरात की सरकार की ओर से

مذكرة تفاهم

في مجال المشاريع الصغيرة والمتوسطة والابتكار

بين كل من

وزارة الاقتصاد بدولة الإمارات العربية المتحدة

و وزارة المشاريع المتناهية الصغرى والصغيرة والمتوسطة بجمهورية الهند

حيث أن كل من وزارة المشاريع المتناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة بجمهورية الهند و وزارة الاقتصاد بدولة الإمارات العربية المتحدة ؛ ويشار إليهم "الطرفين"،

يدركان الدور الهام للمشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة في تنمية الاقتصاد وتشكيل بيئة السوق وخلق فرص العمل،

ويعتبرون أن المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة عنصرا رئيسيا للتنمية المستدامة والقدرة التنافسية للاقتصاد في البلدين؛

مؤكدين على الأهمية المتزايدة للمشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة في مجال العلاقات الاقتصادية والتجارية بين البلدين؛

وإذ يؤكدان على توسيع التعاون الثنائي في مجال تطوير ودعم المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة؛

والآن وبناء على ذلك، يوافق الطرفان على ما يلي:

المادة 1

الأهداف

1. إقامة تعاون قوي في مجال المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة والابتكار من خلال إطار عملي لتطوير علاقات أقوى بين الطرفين والنص على إجراء التعاون الذي من شأنه أن يعزز تنفيذ أهداف كلا الطرفين.

2. يهدف الطرفين لتعزيز التعاون بين المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة في مجالات التجارة الثنائية والبحث والتطوير من خلال المشاريع والأنشطة المشتركة.

المادة 2

مجالات التعاون

المجالات الرئيسية للتعاون طبقا للأهداف الواردة في المادة 1 وهي:

1. تسهيل التعاون بين الشركات الصغيرة والمتوسطة في إطار التجارة والمشاريع المشتركة والابتكارات ونقل التكنولوجيا.
2. تحليل بيئة العمل والاتجاهات الجارية في تنمية المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة في دولة الإمارات العربية المتحدة وجمهورية الهند،
3. تبادل الخبرات والمعلومات في جميع المجالات التي تتعلق بدعم المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة ورجال الأعمال الشباب في التنمية الخاصة بأعمال البنية التحتية ووضع تدابير الدعم المالية وغير المالية.
4. تشجيع مشاريع الشراكة وتعاون المؤسسات والشركات بين جمهورية الهند والإمارات العربية المتحدة.
5. تشجيع برامج التعاون الثنائي التي تهدف إلى تطوير البنية التحتية للأعمال والخدمات ذات الصلة مثل الشركات المحتضنة والمجموعات وأعمال الاستثمار الملائكي.

المادة 3

برامج وأنشطة التعاون المشتركة

1. يتبادل الطرفان نتائج الأبحاث والدراسات والمواد الإعلامية وكذلك المشاركة في المشاريع المشتركة بهدف تعزيز تنمية المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة.
2. يعمل الطرفان على تشجيع تنظيم الندوات المشتركة والاجتماعات والمؤتمرات بمشاركة ممثلي المشاريع متناهية الصغر والصغيرة والمتوسطة ومؤسسات دعم الأعمال من جمهورية الهند والإمارات العربية المتحدة.

3. يعمل الطرفان معا على تطوير وتنفيذ الاجتماعات التجارية الثنائية ومنتديات الاتصالات وفعاليات المعلومات أثناء الأحداث الدولية والمتعددة الثنائية.

المادة 4

الالتزامات المالية

1. ما لم يتم الاتفاق بخلاف ذلك، يتحمل كل طرف التكاليف والنفقات المتكبدة فيما يتعلق بمذكرة التفاهم هذه.
2. أي برنامج أو مشروع يحتاج التزاما ماليا من أي من الطرفين يجب أن يكون موضوعا لاتفاقية منفصلة.

المادة 5

تاريخ السريان والتعديل والإنهاء

1. يبدأ سريان مذكرة التفاهم هذه بموجب التوقيع عليها من قبل الطرفين وتظل سارية حتى يطلب أي من الطرفين إنهاؤها من خلال كتاب يتم إرساله إلى الطرف الآخر.
2. يجوز تعديل مذكرة التفاهم هذه بالاتفاق المتبادل من قبل كلا الطرفين.
3. أي نزاع ينشأ عن تفسير يجب مذكرة التفاهم هذه يتم تسويته وديا عن طريق التشاور أو التفاوض بين الطرفين.
4. تم التوقيع عليها في نيودلهي بتاريخ يناير 2017 من نسختين أصليتين باللغات الهندية والعربية والانجليزية وكلا النصوص متساوية الحجية، وفي حال الاختلاف يُعتد بالنص الانجليزي.

عن
حكومة جمهورية الهند

عن
حكومة دولة الامارات العربية المتحدة